## Alexz Johnson, Higher ground

| I've been crawlingTo the mountainsSkinned my knees with blood and hopeIf I stayed standingI'd b |
|---|
|   |
|   |
|   |
|   |
|   |
|   |
|   |
|   |
|   |
|   |
|   |
|   |
|   |
|   |
|   |
|   |
|   |
|   |
|   |
|   |
|   |
|   |
|   |
|   |